TAKING UP OF MOTION OF THANKS ON PRESIDENCES ADDRESS

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, I have a point to submit for your consideration. This is the second week for which we are meeting. But in spite of that, the Motion of Thanks on President's Address has not been taken up. So, the special mentions can be taken up in the evening and, if possible, the Motion of Thanks may be given precedence over the special mentions.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the House so agrees, I will be... *(Interruptions)*. Okay, we will take up special mentions.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I am on a point of order. *(Interruptions)*.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : (बिहार) : महोदया, एक बहुत ही महत्वपूर्ण मसला है ।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, एक जरूरी मसले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं... **(व्यवधान)**..

मैडम, इसी सदन में श्री राजमोहन गांधी जी ने श्री सुन्दरलाल बहुगणा जी का मामला उठाया था ।

उपसभापति : आपको मैं अर्ज कर दूं कि अगर हाउस में कोई बात एक दफा उठायी जाती है तो वह सदन में दोबारा नहीं उठायी जा सकती ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, श्री सुन्दरलाल बहुगणा जी आमरण अनशन पर हैं। सरकार ने इस संबंध में आश्वासन दिया था ... **(व्यवधान)**...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, 28 तारीख को ... **(व्यवधान)**...

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, श्री राजमोहन गांधी जी ने जब यह सवाल सदन में उठाया था तो सरकार ने कहा था कि सरकार इस मामले में इंटरवीन करेगी, लेकिन सरकार ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। इसलिए महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि सदन में श्री सुन्दरलाल बहुगुणा जी के स्वास्थ्य के संबंध में, उनके आमरण अनशन के संबंध में गृह मंत्री जी एक वक्तव्य दें ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, 28 तारीख को सविंदर सिंह नाम के एक बिजनेस मेन को चांदनी चौक से इनफोर्समैंट डिपार्टमैंट के लोगों ने गिरफ्तार किया ।

उपसभापति : क्या कह रहे हैं आप ?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : 28 तारीख को चांदनी चौक से सविंदर सिंह नाम के एक बिजनेस मेन को एन-फोर्समेंट डिपार्टमेंट ने गिरफ्तार किया और लोक नायक भवन में छठवीं मंजिल पर अपने आफिस में उसको इंटरोगेशन के लिए ले गए। उसके तीन भाई गिरफ्तार किए गए और महोदया दुःख की बात यह है कि वहां अफसरों ने बैठकर शराब पी और उस पर अत्याचार किया। अत्याचार की वह इस हद तक पहुंच गए कि इंटरो-गेशन के बीच में उसने अपना दम तोड़ दिया। फिर उसको मारकर उन्होंने बिल्डिंग की छठवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया और बयान दिया कि उसने आत्म-हत्या की ।

महोदया, यह एक शर्मनाक घटना है महोदया, मैं आपकी तवज्जह चाहूंगा, यह एक शर्मनाक घटना है और यह पहली बार नहीं घट रही है। इससे पहले भी 1985 में आत्माराम हाउस की 15वीं मंजिल से इसी तरह एक आदमी को मारकर फेंक दिया गया था। 1988 में भी एक हर्ट पेशेंट ने भी आय०पी० एस्टेट के इंटरोगेशन चेंबर में दम तोड़ दिया था। उसके बाद 1989 में एक मोटर डीलर को इसी तरह छः मंजिली बिल्डिंग से फेंक दिया गया था और सरकार ने इन चीजों को मद्दे नजर रखते हुए इंटरोगेशन चेंबर में ग्रिल लगाने की बात की थी, पर महोदया ऐसा क्यों होता है कि इंटरोगेशन चेंबर से ही आदमी छलांग लगाकर आत्म-हत्या करता है ? यह सरासर झूठ है और सब

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

की आंखों में धूल झोंकी जा रही है। उस पर अत्याचार करते हुए इंटरोगेशन स्टाक करने के लिए इतना तंग किया गया, इतना परेशान किया गया कि उसने दम तोड़ दिया और तब उसको छह मंजिला ईमारत से नीचे फेंक दिया गया।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि सरकार इस पर बयान दे और एक इन्क्वायरी कमीशन बैठे।...

उपसभापति : आप बैठिये। लीडर आफ दी हाउस बोल रहे हैं।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, जो लोग उसमें इन्वोल्व हैं उनको डिमोट किया जाए और मेरी मांग है कि यह जो पद्धति चल रही है इसको रोका जाए और ऐसे लोगों पर मर्डर केस चलाया जाए। यह जो अत्याचार है, इन पर एक बयान होना चाहिए और हाई लेवल इन्क्वायरी होनी चाहिए!.. (**व्यवधान**)...

उपसभापति : लीडर साहब बोल रहे हैं।

गृह मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण) : मैडम, मैं इसकी जानकारी लूंगा और अगर यह साबित हो तो उनके ऊपर 302 की कार्यवाही की जाएगी।.. (**व्यवधान**)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : मैडम, कल शिवरात्रि के दिन वाराणसी में बी०एच०पी० के लोगों ने, बजरंग दल के लोगों ने, सनातन धर्म सभा के लोगों ने जो शर्मनाक कार्यवाही की है।... (**व्यवधान**)

उपसभापति : पाण्डेय जी जरा बैठिएगा।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : महोदया, मैं आपकी आज्ञा चाहूंगा, मुझे दो मिनट का समय दीजिए। वाराणसी में कल शिवरात्रि के दिन... (**व्यवधान**)...

उपसभापति : आपने मेरी आज्ञा के बगैर ही दो मिनट ले लिए हैं (**व्यवधान**) वह कुछ, अहलूवालिया साहब ने जो कुछ ध्यान खींचा था और लीडर उस पर कुछ बोले थे, कुछ कहना चाहते हैं एक लफ्ज में।

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Madam, my submission is, it is a matter of great regret that in the past few years, regardless of the place, the behaviour of the police has deteriorated in a manner where people are beaten up by the police in a most atrocious manner and this problem is spreading throughout the country regardless of whatever party in power. That is why I totally support what Mr. Ahluwalia has said and I request the Home Minister to take suitable action not only in this case but a situation should be created where the police should learn to behave. (*Interruptions*).

उपसभापति : पाण्डेय जी, जरा जल्दी-जल्दी जो भी कहना है, कह दीजिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : महोदया, कल शिवरात्रि के दिन विश्व हिन्दू परिषद्, बजरंग दल और सनातन धर्म सभा के 70 कार्यकर्त्ता ठीक 11.00 बजे नील कंठ से ज्ञानबागी की ओर विवादित स्थल, यहां मस्जिद बनी है वहां, पर शंकर की प्रतिमा पर जल चढ़ाने के लिए विवाद उपस्थित किया। उसके तहत पुलिस का एक दरोगा और 12 पुलिस के अधिकारी उस विवाद को समाप्त कराने में घायल हुए हैं। विश्व हिन्दू परिषद रामजन्म भूमि का विवाद करने के बाद अब बनारस में काशी विश्व मंदिर में, यहां मस्जिद और मन्दिर, दोनों साथ-साथ हैं वहां अपना अड्डा बनाना चाहती है। कल शिवरात्रि के दिन कई लाख लोग दर्शन करते हैं वहां घटना हुई।...

उपसभापति : पांडेय जी, कनक्लूड प्लीज।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : यह घटना विश्व हिन्दू परिषद और बी.जे.पी. की, उत्तर-प्रदेश की, सरकार के कारण हुई है। मैं सरकार से मांग करूंगा, आपके माध्यम से कि इस पर गृहमंत्री जी एक वक्तव्य दें क्योंकि बनारस में अभी जो दंगा फैला था उसको फिर से सांप्रदायिक शक्तियां फैलाने की कोशिश कर रही हैं। इधर, अयोध्या में राम-मन्दिर के पुजारी रामदास को बदलकर उनके ऊपर आरोप लगाया गया है। इस

संदर्भ में न बनारस का जनजीवन खतरे में है । मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि सरकार निर्देश दे और गृहमंत्री जी इस पर वक्तव्य दें, नहीं तो उत्तर प्रदेश में हिन्दू-मुसलमानों के बीच दंगा फैलाने की कोशिश यह सांप्रदायिक तत्व कर रहे हैं । मैं अपने आफीसरों को बधाई देना चाहता हूं, जिला अफसरों, पुलिस अधिकारियों को, जिन्होंने इस दंगे को कल बचाया है । गृहमंत्री जी इस पर वक्तव्य दें । यह मेरी मांग है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Subramanian Swamy, what do you want to say?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Madam, what I am saying is that in view of what Dr. Ratnakar Pandey has said and in view of the now open collaboration between the Janata Dal and the BJP in Uttar Pradesh—the election of Deputy Speaker—what he has said is very serious and there is tension in the State and both the Janata Dal and the BJP should take care jointly... (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam Deputy Chairman... (*Interruptions*)... In 1988, the receiver was appointed by the then Central Government. (*Interruptions*). The District Court appointed the receiver, *viz.* Mr. Yamuna Prasad. He appointed the head-priest there. They had been functioning. What happened was that Mr. Yamuna rasad. (*Interruptions*).

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't know what they are speaking.

SHRI V. NARAYANASAMY: On 20th February, 1992... (*Interruptions*).

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I have sought your permission...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I want to call you in a peaceful atmosphere.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: madam... (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY: The receiver died in February, 1992. Immediately therafter the Court appointed another receiver to take possession of the disputed Ayodhya site. He took possession. The BJP Government and the VHP pressurised the DM to remove the priest who had been functioning there because they had been brought in for taking possession of the disputed site. The DM refused. Thereafter they changed the DM. A new DM was appointed. The new DM also refused. Then when the D.M. went on leave through the ADM, violating the Court's order.. tney said "No, arrangement should be made." The VHP activists and the BJP Goverment in UP changed the receiver and they also changed the priest who had been functioning there. This is a nefarious design of the VHP and the BJP Government in UP. They took possession of the disputed site. Therefore, Madam, I want the Home Minister to respond and say wheher the UP Government has interfered, violating the Court's order... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy... (*Interruptions*)... Now let me allow Mr. Jaipal Reddy... (*Interruptions*)... Please sit down.

कृपया बैठिए ।

...(व्यवधान)...

Mr. Jaipal Reddy... (*Interruptions*)... I have allowed Mr. Jaipal Reddy. I have called Mr. Jaipal Reddy... (*Interruptions*)... I have called Mr. Jaipal Reddy.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम. ...(व्यवधान)...एसोसिऐट करना चाहते हैं आप इजाजत दें ।

उपसभापति : पाण्डेय जी, आप कृपया बैठ जाइए । आप अपनी सिफारिश करिए तो गनीमत है दूसरों की न करिए । बैठिए । जयपाल रेड्डी जी आप बोलिए ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I want the Finance Minister to stay... (*Interruptions*)... I don't want the Finance Minister to go. I want the Finance Minister to stay in the House, Madam, he has gone away.

उपसभापति : बैठिए । लीडर आफ दि अपोजीशन खड़े हैं जरा उनकी बात सुन लीजिए ।

SHRI S UBRAMANIAN SWAMY: The Deputy Speaker of the Assembly... (*Interruptions*)... They made a deal with the BJP Government. He should explain it... (*Interruptions*)...

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : मैडम राजस्थान के...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Abrar Ahmed, please sit down. Just now the Leader of the House has requested that we should start with the motion of Thanks on the President's Address.

अभी राजस्थान की बात नहीं है ।

...(व्यवधान)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam Deputy Chairman, there is a pending issue before the House. The other day, the Finance Minister laid a statement on the Table of the House. We all contended, under the conventions of the House, the statement must be followed by clarifications. This particular issue has not been clinched either way...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I thought the matter is over now.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, no; it is not over.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I gave a ruling...

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): What was it?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, there is no ruling.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Madam, it is not yet over.

(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, we will establish it in the course of clarifications... *Interruptions*)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय : आप लोगों का षडयंत्र जग-जाहिर हो गया है । आप लोगों ने सरकार को बदनाम करने की कोशिश की थी । हमारा बजट जो आया है उससे सब कुछ स्पष्ट हो चुका है । आप लोगों ने षडयंत्र करके वित्त मंत्रालय से कागजात गायब करा करके जो षडयंत्र किया है वह सब जनता देख रही है और आपके मुंह पर वित्त मंत्री ने इतना करारा झापड़ मारा है कि अगले साल तक आप उसका स्वाद नहीं मिटा सकेंगे जब तक अगले वर्ष वित्त बजट हमारा पेश नहीं होगा । आपका मुंह नहीं है कि आप इस सदन में बात करें । आप षड्यंत्र करके सरकार को बदनाम करने की कोशिश करते हैं ।

चुल्लू भर पानी में डूब मरिए । (व्यवधान).

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I recommend to the Congress Party to reform Dr. Ratnakar Pandey in Rajya Sabha.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order in the House... (*Interruptions*)... Order. Order.

SHRI YASHWANT SINHA: Madam Deputy Chairman, you refused to give a ruling... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no; let not two people speak together. Please sit down.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, this matter needs to be discussed... (*Interruptions*)... Madam, all our allegations, all our apprehensions, that the conditionalities of the World Bank would be met in the Budget have been confirmed through the Budget. We want to prove that and we shall prove it provided there is a separate discussion on this very substantive item. This cannot be discussed as a part of the Budget. Therefore, I suggest and plead that the statement made by the Finance Minister be followed by clarifications... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats. Please, take your seat.

आप कृपया स्थान ग्रहण कीजिए ।

Pandeyji, take your seat. Please. (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, we will prove. (*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Please take your seat. Okay, you are sitting. Don't get up. Don't try to leave your seat. I can correct myself. I would say that don't raise your hands, not yourself also. What I am saying is, that day the matter was clear. I am not convinced that was a statement. It doesn't come under the purview of a statement. That is my ruling. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: No. Where did you say that? (*Interruptions*)... Where did you say that? (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will add to it. (*Interruptions*)... Please. I will add to it. (*Interruptions*)... Will you please sit down? I will tell you. (*Interruptions*)... Will you please sit down.

एक मिनट बस, आप अब तो बैठ जाइये।

you see the discussion... (*Interruptions*)... When I adjourned the House for lunch on Friday. Mr. Jaipal Reddy said that he would take it up after the Private Member's Business. After the Private Members' Business, I was not in the Chair.

SHRI S. JAIPAL REDDY: We took it up.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Oh, you took it up! Okay. After that, today we are meeting and this is my ruling that that matter is closed. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Madam, are you giving your ruling just now?

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, because you know, Mr. Sinha, I have given my ruling and I... (*Interruptions*)... No, (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, you kindly check up the record. (*Interruptions*)... You kindly check up the record. You said that you had given a ruling on the other day. (*Interruptions*). You please check. You said that you had given the ruling. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: To my knowledge... (*Interruptions*)... To my knowledge I had made it very clear to you that day... (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: No. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, let me finish. Please. (*Interruptions*)... Please.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, will you please sit down? If you want me to give my ruling, I will repeat it again. That day you could not convince me that it was a statement made by the Minister that you could ask for a clarification and I am going to say again the same thing that, in my opinion, it was not a statement. If it was a statement he should have read it out. Well, on your own request it was laid on the Table of the House and it cannot... (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: It is not a ruling. It is not a ruling that you had given on that day because you had permitted... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay, I am giving it now. (*Interruptions*)....

SHRI YASHWANT SINHA: How can you change your position so fast? (*Interruptions*)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not altered any position (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: How can you be so dynamic to change your position? (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please don't argue with me. You go on arguing and... (*Interruptions*)... Whatever you want to discuss you discuss in the Budget. (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: We disagree with your ruling. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed now. (*Interruptions*)... I want to remind the Members that we have flouted many rules in the House and made new precedents. I am the Deputy

Chairman... (*Interruptions*)... Please don't argue. Don't make new precedents. (*Interruptions*)...I am the Deputy Chairman speaking. This is a new precedent you are making. Never in the Parliament if the presiding officer is standing, Members interrupt. Everybody is ... (*Interruptions*)...

डा० अबरार अहमद : : मैडम्

उपसभापति : अबरार स.हब, बैठ जाइये।

The thing is that I am not allowing new precedents to be made in this House other than the prescribed rules. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: What is the prescribed rule? (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The prescribed...(*Interruptions*)... I have quoted it and many Members have quoted that was laid on the Table of the If you still want to talk about it, you can discuss it in the Budget. (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, it can't be discussed in the Budget. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Why should we discuss it in the Budget. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. please (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Madam Deputy Chairman, that day...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed to me. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Then, let us have a ruling from the Chairman. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You ask the Chairman (*Interruptions*)... If the Chairman overdules me I will allow... (*Interruptions*)... If the Chairman Overrules me I will allow... (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: I am just tnying to reflect. You had not given a ruling on that day. (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: We request the Chair...(*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Mr. Mathur wanted to speak and you did not allow him to speak. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't know. (*Interruptions*)... Now that matter is closed. Please, (*Interruptions*)... Now, that matter is closed. (*Interruptions*)... Now I am not allowing. (*Interruptions*)... Please... Mr. Abrar Ahmed, please sit down. (*Interruptions*)... That matter is closed. (*Interruptions*)...That matter is closed (*Interruptions*)...I said "You please sit down". (*Interruptions*) Please sit down. (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: If that matter is not allowed to be discussed we shall stage a walk-out. (*Interruptions*)... (At this stage some hon. Members left the Chamber).

DR. ABRAR AHMED: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting you anything. I will not permit you. (*Interruptions*)... Please take your seat. You don't understand? (*Interruptions*)...Don't argue. Sit down. (*Interruptions*)... I said, "Sit down" (*Interruptions*)... I said, "You please sit down." (*Interruptions*)... I said "you please sit down." (*Interruptions*)... I am not permitting. No, I don't. (*Interruptions*). Just new, I am not permitting. Please sit down. (*Interruptions*)... Take your seat. (*Interruptions*). I will not allow you, now. Please take your seat. I will allow you in the evening. (*Interruptions*).

प्लीज बैठिए ..(व्यवधान)..

डा० अबरार अहमद : जिनके पति जिंदा थे...(व्यवधान)...

उपसभापति :

Mr. Ghulam Nabi Azad, please control your Members.

..(व्यवधान)..मैंने कहा आप बोलेंगे बगैर मेरी मरजी के तो रिपोर्ट में नहीं ज.एग. ...(व्यवधान)...

Anybody who speaks without my permission is not going on record. Mr. Abrar Ahmed, I will allow you a special mention. (*Interruptions*). Don't interrupt the

House now, Please sit down. (*Interruptions*). Will you please sit down? I am not permitting. Don't argue. (*Interruptions*).

DR. ABRAR AHMED: *....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you in the evening. (*Interruptions*). It is not going on record. It is not going on record. You will be allowed a special mention. This is my assurance. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Will you please sit down for a minute? Mr. Abrar Ahmed, I will permit you a special mention in the evening. Please take your seat. Don't get agitated. (*Interruptions*). I said, please take your seat. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not yet permitted you. Please. (*Interruptions*). Don't argue with them. When I allow you in the evening, you make a proper submission, otherwise not.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, this is a matter of great national importance. Yesterday, the deadline for Mr. Pirabhakaran turning up himself at the Magistrate's Court in Madras has expired. And he is still at large in Sri Lanka. Madam, the assissination of Shri Rajiv Gandhi is an insult to our national honour and challenge to our national sovereignty. Therefore, to bring Mr. Pirabhakaran to trial is extremely important. As he has been charge-sheeted, it becomes quite obvious that he was behind it. Therefore, I would like to know from the Government whether they are going to do anything about it or just show their importence as far as this matter is concerned. They should make arrangements immediately to see that Mr. Pirabhakaram is brought to trial by various methods which any Government agency would know, so that this great insult to our national honour and challenge to the national sovereignty is met I hope the Home Minister will not take this matter lightly.

*Not recorded.

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, I associate myself.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. You have associated. But no more comments. (*Interruptions*). Let me announce first. I have not yet announced.

...(व्यवधान) आप बैठिए यादव जी, जी तशरीफ रखिए ;...(व्यवधान)...

The Leader of the House requested and suggested that we should take up the special mentions in the evening, because we have-delayed in starting the Motion of Thanks to the President. Now before me in the Legislative Business there is the Legal Services Authorities (Amendment) Bill, 1991. This Bill was taken up prior to the Lok Sabha being disolved. We held discussion on it and it was passed by the Rajya Sabha. If the House so agrees, we can pass this Bill without discussion and then start the Motion of Thanks so that we don't interrupt it.

THE LEGAL SERVICES AUTHORITIES (AMENDMENT) BILL, 1991.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Madhavan, you have an amendment. Shall I ask you to withdraw in the same spirit.

SHRI S. MADHAVAN (Tamil Nadu): One thing, Madam, It will be difficult to implement the provisions of the Act in Tamil Nadu. There are lacunae in the Act.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Home Minister is checking it. Let him first move the motion.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, I beg to move:

> "That the Bill to amend the Legal Services Authorities Act, 1987 be taken into consideration."

The question was proposed.

SHRI S. MADHAVAN: Only one point with regard to the constitution of taluk committees needs to be clarified by the Government. Tamil Nadu does not have any civil courts at all in certain taluks In the definition in Clause 9, it is stated,